टारगेट किलिंग साजिश नाकाम

स्पेशल सेल की कार्रवाई में बड़ा खुलासा, ग्रेनेड हमले की थी साजिश, दो गिरफ्तार

- दिल्ली-एनसीआर में आईएसआई मॉड्यूल का भंडाफोड़

नई दिल्ली, 21 अप्रैल.दिल्ली एनसीआर में एक बड़ी आतंकी और आपराधिक साजिश को समय रहते नाकाम कर दिया गया है. दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल ने खुफिया जानकारी के आधार पर कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनका संबंध आईएसआई से जुड़े नेटवर्क से बताया जा रहा है.

पुलिस के अनुसार, ये दोनों आरोपी दिल्ली-एनसीआर और आसपास के इलाकों में टारगेट किलिंग और गोलीबारी जैसी वारदातों को अंजाम देने की साजिश रच रहे थे ।जांच में यह भी सामने आया है कि इस साजिश के पीछे पाकिस्तान में बैठे गैंगस्टर और आईएसआई एजेंटों का हाथ था, जो भारत में सक्रिय अपने नेटवर्क के जरिए हमले करवाने की योजना बना रहे थे.समय रहते गिरफ्तारी होने से एक बड़ी घटना टल गई है.इस मामले ने एक बार फिर राजधानी की सुरक्षा व्यवस्था और सीमा पार से संचालित नेटवर्क पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं ।पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी दिल्ली-एनसीआरक्षेत्र में गोलीबारी, टारगेट किलिंग और यहां तक कि ग्रेनेड हमलों जैसी घटनाओं को अंजाम देने की योजना बना रहे थे.जांच में यह भी सामने आया है कि इस साजिश का संचालन पाकिस्तान में बैठे गैंगस्टर शहजाद भट्टी और आईएसआई के अन्य एजेंट कर रहे थे, जो भारत में मौजूद अपने सहयोगियों के जरिए इस योजना को अंजाम देना चाहते थे ।मामले की जांच के तहत 31 मार्च 2026 को संख्या 81/26 दर्ज की गई थी, जिसके बाद स्पेशल सेल ने खुफिया इनपुट के आधार पर सर्च ऑपरेशन चलाया.इस दौरान दोनों आरोपियों को दबोच लिया गया.पुलिस उपायुक्त प्रवीण कुमार त्रिपाठी ने बताया कि आरोपियों के पास से एक पिस्तौल, छह जिंदा कारतूस और दो मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं.

एटीएस ने आतंकी साजिश की नाकाम कोशिश

अहमदाबाद, 21 अप्रैल.गुजरात एटीएस ने एक बड़ी आतंकी साजिश का खुलासा करते हुए दो युवकों को गिरफ्तार किया है, जो कथित तौर पर आईएसआईएस की विचारधारा से प्रभावित थे। इन आरोपियों की पहचान इरफान पठान और मुर्शिद शेख के रूप में हुई है, जिन्हें क्रमश: गुजरात के सिद्धपुर और मुंबई से पकड़ा गया ।जांच के मुताबिक, 22 वर्षीय इरफान पठान ने केमिस्ट्री में एमएससी की पढ़ाई की है, लेकिन सोशल मीडिया के माध्यम से वह कट्टरपंथी विचारधारा की ओर आकर्षित हो गया। वहीं 21 वर्षीय मुर्शिद शेख, जो मूल रूप से बिहार का रहने वाला है, भी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स के जरिए इसी नेटवर्क से जुड़ा.

शोषणकारी चक्र से किसानों को बाहर निकालेंगे

किसान को कर्ज नहीं, भरोसा और सरल व्यवस्था चाहिए : शिवराज सिंह चौहान

- आय बढ़ाने के लिए इंटीग्रेटेड फार्मिंग मॉडल पर जोर

नई दिल्ली, 21 अप्रैल. केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि किसानों को साहूकारी, ऊंचे ब्याज, जटिल कर्ज प्रक्रिया और असंवेदनशील व्यवस्था से राहत दिलाने के लिए कृषि वित्त तंत्र को और अधिक सरल, व्यावहारिक, मानवीय और परिणामोन्मुख बनाना होगा.

उन्होंने कहा कि किसान क्रेडिट कार्ड ने किसानों को राहत दी है, लेकिन अब जरूरत इस बात की है कि तकनीक का विवेकपूर्ण उपयोग हो, बैंकिंग व्यवस्था ग्रामीण जरूरतों के अनुरूप मजबूत बने, योजनाएं जमीन पर व्यावहारिक रूप से लागू हों और छोटे किसानों की आय बढ़ाने के लिए एकीकृत खेती जैसे मॉडल को आगे बढ़ाया जाए.

सिविल सेवा दिवस के अवसर पर विज्ञान भवन, नई दिल्ली में कृषि पर आयोजित पैनल चर्चा में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि उनका बचपन गांव में बीता है और उन्होंने बहुत करीब से देखा है कि पहले गांवों में किस तरह ब्याज पर पैसा देने का धंधा चलता था। जरूरतमंद लोग बर्तन, जेवर, जमीन या घर का सामान गिरवी रखकर पैसा लेते थे और फिर ब्याज का कोई ठिकाना नहीं होता था; इसलिए आज की जरूरत किसानों को इस शोषणकारी चक्र से बाहर निकालने की है। उन्होंने कहा कि केसीसी और बैंकिंग ऋण सुविधाओं ने किसानों को राहत पहुंचाई है, ट्रैक्टर, सिंचाई, बीज और दूसरी जरूरतों के लिए ऋण मिलने से उत्पादन बढ़ाने में मदद मिली है, लेकिन उन्होंने यह भी साफ कहा कि बैंक से ऋण लेना आज भी गांवों में आसान नहीं है,

राष्ट्र-निर्माण की दिशा में अग्रणी सिविल सेवक

- मोदी ने सिविल सेवा दिवस के अवसर 'सिविल सेवकों'

नई दिल्ली, 21 अप्रैल. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सिविल सेवा दिवस के अवसर पर 'सिविल सेवकों' को बधाई दी और उनसे सुशासन तथा राष्ट्र निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराने का आग्रह किया.

श्री मोदी ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर लिखा, सिविल सेवा दिवस के अवसर पर सभी 'सिविल सेवकों' को मेरी शुभकामनाएं.यह सुशासन और राष्ट्र-निर्माण की दिशा में काम करने के हमारे संकल्प को और अधिक सुदृढ़ करने का एक अवसर है.ज़मीनी स्तर से लेकर नीति-निर्माण तक 'सिविल सेवकों' के प्रयास अनगिनत लोगों के जीवन को स्पर्श करते हैं और भारत की प्रगति में अपना योगदान देते हैं.कामना है कि हमारे सिविल सेवक अपने कर्तव्य के सर्वोच्च मानकों को बनाए रखते हुए, उत्कृष्टता, करुणा और नवाचार के साथ देश की सेवा करते रहें.प्रधानमंत्री ने कहा कि राष्ट्रसेवा ही 'विकसित भारत' की नींव है.सिविल सेवा दिवस के गौरवशाली अवसरपर आइए, अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को विकास की मुख्यधारा से जोड़कर सशक्त, समृद्ध एवं संवेदनशील भारतवर्ष के निर्माण का संकल्प दोहराएं. शीलं परहितासक्तिः अनुत्सेकः क्षमा धृतिः. अलोभश्चेति विद्यायाः परिपाकोज्ज्वलं उल्लेखनीय है कि हर साल 21 अप्रैल को सिविल सेवा दिवस मनाया जाता है.इस दिन भारत के प्रशासनिक अधिकारियों के योगदान को सराहा जाता है और नागरिकों की सेवा करने के प्रति उनके समर्पण को फिर से दोहराया जाता है.

आज का इतिहास

- 1760- भारत के अंतिम मुगल सम्राट अकबर द्वितीय का जन्म.
- 1870- रूस की क्रांति के जनक लेनिन का जन्म हुआ था.
- 1906- यूनान के एथेंस में 10वें ओलंपिक खेलों की शुरुआत हुई.
- 1914- प्रसिद्ध फिल्म निर्माता-निर्देशक बी. आर. चोपड़ा का जन्म.
- 1915- प्रथम विश्व युद्ध के दौरान जर्मन सेना ने पहली बार जहरीली गैस का इस्तेमाल किया.
- 1921- नेताजी सुभाषचंद्र बोस ने इंडियन सिविल सर्विस से इस्तीफा दिया.
- 1931- मिस्र और इराक ने शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए.

बीएसबी बोर्ड रिजल्ट 2026 हुआ घोषित

10 वीं में ऑल इंडिया टॉपर बनी असम की अशिमता बसनेट, 12 वीं की टॉपर रहीं पतंजलि गुरूकुलम टिहरी की मल्लिका दास

हरिद्वार, 21 अप्रैल भारतीय शिक्षा बोर्ड ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 के राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित कक्षा 10 एवं 12 बोर्ड परीक्षाओं के परिणाम घोषित कर दिए हैं. इस वर्ष देशभर में भारतीय शिक्षा बोर्ड संबद्ध विद्यालयों के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए सफलता अर्जित की है.

परिणामों में विद्यार्थियों की मेहनत, अनुशासन तथा शिक्षकों के मार्गदर्शन का प्रभाव स्पष्ट रूप से परिलक्षित होता है. बोर्ड की ओर से बताया गया है कि विद्यार्थी अपना परिणाम डिजिलॉकर पर जाकर

अशिमता बसनेट | मल्लिका दास

> कक्षा 12 में ऑल इंडिया स्तर पर प्रथम स्थान मल्लिका दास (481/500, 96.20%), पतंजलि गुरुकुलम, टिहरी गढ़वाल, उत्तराखंड ने प्राप्त किया. द्वितीय स्थान प्रिया (474/500, 94.80%), पतंजलि गुरुकुलम, हरिद्वार, उत्तराखंड तथा तृतीय स्थान अंशिका चौहान (473/500, 94.60%), पतंजलि गुरुकुलम, हरिद्वार, उत्तराखंड को प्राप्त हुआ .विषयवार परिणाम कंप्यूटर साइंस में मल्लिका दास (93), पतंजलि गुरुकुलम, टिहरी गढ़वाल, उत्तराखंड, अंग्रेजी में काशिश यादव (95), पतंजलि गुरुकुलम, हरिद्वार, उत्तराखंड, इतिहास में दीक्षित्ता मौर्य (96), पतंजलि गुरुकुलम, टिहरी गढ़वाल, उत्तराखंड, हिंदी में अनुष्का सिंह (99), पतंजलि गुरुकुलम, टिहरी गढ़वाल, उत्तराखंड ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया.

कुछ जरूरी जानकारी देकर जान सकते हैं. कक्षा 10 में ऑल इंडिया स्तर पर प्रथम स्थान अशिमता बसनेट (485/500, 97.00%), आचार्यकुलम, कुमारिकाता, असम ने प्राप्त किया. द्वितीय स्थान प्रियंम चक्रवर्ती (463/500, 92.60%), आचार्यकुलम, चिरांग, असम तथा तृतीय स्थान एंजेल (462/500, 92.40%), पतंजलि गुरुकुलम, टिहरी गढ़वाल, उत्तराखंड को प्राप्त हुआ. विषयवार परिणाम में गणित, अंग्रेजी एवं विज्ञान में अशिमता बसनेट (97, 97, 96), आचार्यकुलम, कुमारीकट्टा , असम से रहीं.

खरगे-राहुल ने मुन्ना के निधन पर जताया शोक

नई दिल्ली, 21 अप्रैल. कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे तथा पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने उत्तर प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अरुण कुमार सिंह मुन्ना के निधन पर गहरा दुख जताते हुए पीड़ित परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है.

श्री खरगे ने मंगलवार को सोशल मीडिया 'एक्स' पर अपने शोक संदेश में लिखा, उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष एवं वरिष्ठ नेता अरुण कुमार सिंह 'मुन्ना' जी के निधन का समाचार अत्यंत दु:खद है.उन्हें अपनी सरलता, जनसेवा के प्रति अटूट समर्पण और संगठन के प्रति दृढ़ निष्ठा के लिए हमेशा याद किया जाएगा.उनका पूरा जीवन जनसेवा और कांग्रेस की विचारधारा को मजबूत करने में समर्पित रहा. उनके परिवार तथा समर्थकों के प्रति मैं अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं.

श्री गांधी ने कहा कि उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष और वरिष्ठ नेता अरुण कुमार सिंह मुन्ना जी के निधन का समाचार अत्यंत दुखद है. उन्होंने अपना पूरा जीवन जनसेवा और कांग्रेस पार्टी के मूल्यों के प्रति समर्पित किया.इस दुख की घड़ी में मेरी गहरी संवेदनाएं उनके शोकाकुल परिजनों और समर्थकों के साथ हैं.

जनरल द्विवेदी का हवाई दौरा इंडो-पैसिफिक पर फोकस

- हवाई दौरे पर सेना प्रमुख, यूएस संग रक्षा सहयोग पर जोर
- भारत-अमेरिका रक्षा साझेदारी को नई मजबूती

होनोलूलू, 21 अप्रैल.उपेंद्र द्विवेदी के हवाई दौरे ने भारत-अमेरिका रक्षा संबंधों को एक नई दिशा देने का संकेत दिया है.होनोलूलू में आयोजित इस उच्चस्तरीय बैठक में यूनाइटेड स्टेट्स आर्मी पैसिफिक के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ व्यापक चर्चा हुई.

इस दौरान दोनों देशों ने रक्षा सहयोग को और मजबूत करने तथा इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए साझा रणनीति पर जोर दिया. दौरे के दौरान जनरल द्विवेदी को फोर्ट शैफ्टर में 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया गया, जो इस यात्रा के महत्व को दर्शाता है.इसके अलावा उन्होंने ओहू द्वीप का हवाई निरीक्षण भी किया, जहां उन्हें सैन्य प्रशिक्षण और ऑपरेशनल तैयारियों का जायजा लेने का अवसर मिला.यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब भारत और अमेरिका के बीच रणनीतिक साझेदारी लगातार गहरी होती जा रही है और दोनों देश क्षेत्रीय सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं.

खरगे ने की प्रधानमंत्री के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणी

नई दिल्ली. मल्लिकार्जुन खरगे के एक बयान ने देश की राजनीति में बड़ा विवाद खड़ा कर दिया है. नरेंद्र मोदी को लेकर की गई उनकी टिप्पणी पर सियासी घमासान मच गया है.

चेन्नई में मीडिया से बातचीत के दौरान खरगे ने एआईएडीएमके और बीजेपी के गठबंधन की आलोचना करते हुए ऐसा बयान दे दिया, जिस पर तुरंत प्रतिक्रिया शुरू हो गई. बयान सामने आने के बाद भारतीय जनता पार्टी ने कड़ी आपत्ति जताई और कांग्रेस पर तीखा हमला बोला. बढ़ते विवाद को देखते हुए खरगे ने बाद में सफाई दी और कहा कि उनके बयान को गलत तरीके से पेश किया गया है.उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका आशय प्रधानमंत्री को आतंकवादी कहना नहीं था.

अंतिम दिन बंगाल-तमिलनाडु में झोंकी ताकत

- 23 अप्रैल मतदान से पहले रैलियां, रोड शो और

नई दिल्ली, 21 अप्रैल. पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में विधानसभा चुनावों से पहले प्रचार अभियान अपने चरम पर पहुंच गया है. 23 अप्रैल को होने वाले मतदान से पहले सभी राजनीतिक दलों ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है. चुनाव आयोग द्वारा निर्धारित समय सीमा से पहले नेता लगातार रैलियां, रोड शो और जनसभाएं किये हैं, ताकि अधिक से अधिक मतदाताओं तक पहुंच बनाई जा सके. राजनीतिक दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर भी तेज हो गया है।एक ओर सत्ताधारी दल अपनी उपलब्धियां गिना रहे हैं, तो दूसरी ओर विपक्ष सरकार की नीतियों पर सवाल उठा रहा है। चुनावी माहौल पूरी तरह गरमाया हुआ है और हर पार्टी जीत के लिए पूरी ताकत लगा दी है. अमित शाह ने कुल्टी में जनसभा को संबोधित करते हुए राज्य सरकार पर निशाना साधा.इसके अलावा राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन

खरगे सहित कांग्रेस नेता भी विभिन्न इलाकों में सक्रिय रहे हैं। भाजपा की ओर से हिमंत बिस्वा सरमा और हेमा मालिनी जैसे नेता भी प्रचार में जुटे. तमिलनाडु में भी चुनावी हलचल तेज है, जहां डीएमके और एआईए डीएमके के बीच कड़ी टक्कर देखी जा रही है. केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने भी चेन्नई में प्रचार करते हुए एनडीए की जीत का दावा किया. राज्य में 234 सीटों के लिए मतदान 23 अप्रैल को होगा और नतीजे 4 मई को घोषित किए जाएंगे. जैसे-जैसे प्रचार समाप्ति की समय सीमा नजदीक आ रही है, चुनावी माहौल और अधिक गरमाता जा रहा है.

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव

नीतीश कुमार बीजेपी के दबाव में काम कर रहे थे : राहुल गांधी

दिल्ली, 21 अप्रैल. राहुल गांधी के एक बयान ने बिहार की राजनीति में नया विवाद खड़ा कर दिया है। तमिलनाडु में चुनाव प्रचार के दौरान उन्होंने नीतीश कुमार को कंप्रोमाइज्ड बताते हुए कहा कि वे बीजेपी के दबाव में काम कर रहे थे. इस टिप्पणी के बाद जनता दल (यूनाइटेड) ने तीखी प्रतिक्रिया दी है. पार्टी के वरिष्ठ नेता और बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि उनके बयानों को गंभीरता से नहीं लिया जाना चाहिए. उन्होंने राहुल गांधी की राजनीतिक समझ और बयानबाजी पर सवाल उठाते हुए तीखा पलटवार किया. इस बयानबाजी ने एक बार फिर विपक्षी दलों के बीच खींचतान को उजागर कर दिया है. जहां कांग्रेस बीजेपी और उसके सहयोगियों पर हमलावर है, वहीं जेडीयू ने राहुल गांधी के बयान को गैर-जिम्मेदाराना करार दिया है. इस घटनाक्रम ने बिहार समेत राष्ट्रीय राजनीति में नई बहस को जन्म दे दिया है. बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी ने राहुल गांधी के बयान को खारिज करते हुए कहा कि देश आज तक यह नहीं समझ पाया कि राहुल गांधी क्या कहते हैं और उसका क्या अर्थ होता है. उन्होंने यह भी कहा कि राहुल गांधी के बयानों को गंभीरता से लेने की जरूरत नहीं है. चौधरी ने राहुल गांधी की राजनीतिक शैली पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि उन्हें न तो संसद की मर्यादा का ज्ञान है और न ही शासन और राष्ट्र के बीच अंतर की समझ. उन्होंने यह भी कहा कि राहुल गांधी की राजनीति में गंभीरता की कमी है, जिससे उनके बयान विश्वसनीय नहीं लगते ।यह विवाद ऐसे समय में सामने आया है जब देश के कई राज्यों में चुनावी माहौल गरमाया हुआ है और राजनीतिक दल एक-दूसरे पर तीखे हमले कर रहे हैं.

'हिंदू राष्ट्र' बयान पर बवाल, स्टाफ को लगाया तिलक

- ड्रेस कोड विवाद- लेंसकार्ट स्टोर में गरमाई सियासत
- तिलक-बिंदी विवाद पर लेंसकार्ट में हंगामा

मुंबई, 21 अप्रैल ।लेंसकार्ट के स्टोर में ड्रेस कोड को लेकर अब कंपनी सवाल के घेरे में आ गया है.वायरल वीडियो के अनुसार, बीजेपी नेता नाजिया इलाही खान अपने समर्थकों के साथ अंधेरी स्थित स्टोर में पहुंचीं और कर्मचारियों से तीखी बहस की.उनका आरोप था कि कंपनी कर्मचारियों को तिलक, बिंदी और अन्य हिंदू धार्मिक प्रतीक पहनने से रोकती है.

वीडियो में देखा जा सकता है कि बहस के दौरान उनके समर्थकों ने स्टोर कर्मचारियों को तिलक लगाया, कलावा बांधा और 'जय श्रीराम' के नारे लगाए.इस दौरान स्टोर के फ्लोर मैनेजर से भी सवाल-जवाब किए गए, जिसमें यह पूछा गया कि क्या धार्मिक आधार पर किसी तरह का भेदभाव किया जा रहा है.

> साथ ही, महिला कर्मचारियों के लिए मंगलसूत्र जैसे प्रतीकों पर भी कथित रोक की बात सामने आई. हालांकि, इन दावों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है ।मामले के तूल पकड़ने के बाद पीयूष बंसल ने सफाई देते हुए कहा कि सोशल मीडिया पर वायरल दस्तावेज पुराना है और वर्तमान नीति को नहीं दर्शाता.उन्होंने स्पष्ट किया कि कंपनी ने नया 'इन-स्टोर स्टाइल गाइड' जारी किया है, जिसमें सभी कर्मचारियों को अपनी धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान के प्रतीक जैसे तिलक, बिंदी, हिजाब और पगड़ी पहनने की अनुमति दी गई है.

अमेरिकी प्रतिबंधों के खिलाफ सड़कों पर उतरे लोग

काराकास/वॉशिंगटन, 21 अप्रैल. वेनेजुएला में अमेरिकी प्रतिबंधों के खिलाफ जनता का गुस्सा अब सड़कों पर खुलकर दिखाई दे रहा है। देशभर में बड़े पैमाने पर रैलियां और प्रदर्शन आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें हजारों लोग शामिल हो रहे हैं। जॉर्ज रोड्रिगेज के नेतृत्व में आयोजित एक प्रमुख रैली में राजनीतिक और सामाजिक एकता का आह्वान किया गया ।प्रदर्शनकारियों का कहना है कि लंबे समय से लगे आर्थिक प्रतिबंधों ने आम लोगों की जिंदगी पर गहरा असर डाला है.

23 प्रतिशत उम्मीदवारों पर आपराधिक केस

- हर 5 में 1 करोड़पति, 23 प्रतिशत पर केस
- बंगाल चुनाव में अपराधी छवि वाले उम्मीदवारों की भरमार

कोलकाता, 21 अप्रैल. पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव को लेकर एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स की ताजा रिपोर्ट ने चौंकाने वाले आंकड़े सामने रखे हैं। चुनावी मैदान में उतरे उम्मीदवारों में से करीब 23 प्रतिशत पर आपराधिक मामले दर्ज हैं, जो लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर गंभीर सवाल खड़े करते हैं

रिपोर्ट के अनुसार, कुल 2920 उम्मीदवारों के हलफनामों के विश्लेषण में यह भी सामने आया कि हर पांच में

से एक उम्मीदवार करोड़पति है। खास बात यह है कि प्रमुख राजनीतिक दलों के बीच भी दागी उम्मीदवारों की संख्या काफी अधिक है. महिलाओं के खिलाफ अपराध से जुड़े मामलों में भी चिंताजनक आंकड़े सामने आए हैं, जहां 192 उम्मीदवारों पर ऐसे केस दर्ज हैं. यह स्थिति चुनावी राजनीति में पारदर्शिता और नैतिकता को लेकर बहस को और तेज कर रही है ।रिपोर्ट में यह भी सामने आया है कि 192 उम्मीदवारों पर महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामले दर्ज हैं, जबकि 8 उम्मीदवारों पर दुष्कर्म जैसे गंभीर आरोप हैं. इसके अलावा, लगभग 35 उम्मीदवारों पर हत्या से जुड़े मामले भी चल रहे हैं। कुल मिलाकर 412 उम्मीदवार गंभीर आपराधिक मामलों का सामना कर रहे हैं.आर्थिक स्थिति के आंकड़े भी चौंकाने वाले हैं.

> रिपोर्ट के अनुसार, 630 उम्मीदवार करोड़पति हैं, यानी हर पांच में से एक उम्मीदवार के पास करोड़ों की संपत्ति है. उम्मीदवारों की औसत संपत्ति करीब 1.28 करोड़ रुपये बताई गई है. दलों के हिसाब से देखें तो तृणमूल कांग्रेस के करीब 72 प्रतिशत उम्मीदवार करोड़पति हैं, जबकि भाजपा में यह आंकड़ा लगभग 49 प्रतिशत है. शिक्षा के स्तर पर भी मिश्रित तस्वीर सामने आई है. करीब 48 प्रतिशत उम्मीदवार 5वीं से 12वीं तक शिक्षित हैं, जबकि 47 प्रतिशत उम्मीदवार ग्रेजुएट या उससे अधिक पढ़े-लिखे हैं. विशेषज्ञों का मानना है कि दागी उम्मीदवारों की बढ़ती संख्या और धनबल का प्रभाव चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता और निष्पक्षता के लिए चुनौती बन सकता है.

कार्यक्रम | भागवत बोले- विज्ञान और धर्म दोनों से नहीं मिली शांति

भारत के ज्ञान और मूल्यों की ओर उम्मीद से देख रही दुनिया

अगरतला, 21 अप्रैल. मोहन भागवत ने अगरतला के मोहनपुर में आयोजित मां सौंदर्य चिन्मयी मंदिर के प्रतिष्ठा और कुंभाभिषेक कार्यक्रम में कहा कि लंबे समय से शासन, धर्म और विज्ञान के अलग-अलग प्रयोगों के बावजूद दुनिया को स्थायी शांति नहीं मिल सकी है. उनके अनुसार अब वैश्विक समाज भारत के पारंपरिक ज्ञान और सभ्यतागत मूल्यों की ओर उम्मीद से देख रहा है.

उन्होंने कहा कि कुछ शक्तियां भारत की एकता और सांस्कृतिक शक्ति से चिंतित हैं और समाज में धार्मिक व भाषाई विभाजन पैदा करने की कोशिश कर रही हैं. भागवत ने जोर दिया कि भारत की असली ताकत उसकी विविधता में एकता है, जिसे बनाए रखना आवश्यक है. उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि वे केवल ज्ञान ही नहीं, बल्कि शक्ति भी अर्जित करें, क्योंकि वर्तमान विश्व व्यवस्था में अक्सर शक्तिशाली ही अपनी बात मनवा पाता है. उन्होंने कहा कि इतिहास में पहले राजशाही आई, फिर धर्म के माध्यम से व्यवस्था बनाने की कोशिश हुई और बाद में विज्ञान का दौर आया, लेकिन इन सभी के बावजूद मानव समाज में संघर्ष, असंतोष और हिंसा बनी रही. भागवत ने यह भी कहा कि आधुनिक विकास के साथ पर्यावरण का नुकसान बढ़ रहा है और परिवार व सामाजिक ढांचे कमजोर हो रहे हैं. उनके अनुसार भारत का कर्तव्य है कि वह अपने प्राचीन ज्ञान और मूल्यों के माध्यम से दुनिया को संतुलन और दिशा प्रदान करे. कार्यक्रम में माणिक साहा सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे.

खर्च केस- बॉम्बे हाई कोर्ट ने याचिका ठुकराई

नागपुर, 21 अप्रैल. राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत को दी गई जेड+श्रेणी की सुरक्षा को लेकर एक विवाद खड़ा हो गया है.इस मुद्दे पर बॉम्बे हाई कोर्ट में दाखिल जनहित याचिका को अदालत ने खारिज कर दिया, साथ ही याचिकाकर्ता की मंशा पर भी सवाल उठाए.